Roll No. : [ ] [ ] [ ] [ ] [ ] [ ] [ ] [ ] [ ] [ ]

कुल प्रश्नों की संख्या : 18]
Total No. of Questions : 18]

[कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 8
[Total No. of Printed Pages : 8

H-251070–A

विषय : हिन्दी

Subject : Hindi

समय : 3 घण्टे]
Time : 3 hours]

[पूर्णांक : 75
[Maximum Marks : 75

निर्देश :

(i) सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।

(ii) प्रश्न क्रमांक 1 में वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं, जिसके खण्ड (अ) में बहुविकल्पीय प्रश्न, खण्ड (ब) में रिक्त स्थानों की पूर्ति एवं खण्ड (स) में उचित सम्बन्ध जोड़िए सम्बन्धी प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न पर 1 अंक निर्धारित है।

(iii) प्रश्न क्रमांक 2 से 6 तक लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक उत्तर हेतु शब्द-सीमा 30 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न पर 2 अंक निर्धारित हैं।

(iv) प्रश्न क्रमांक 7 से 10 तक लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक उत्तर हेतु शब्द-सीमा 50 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न पर 3 अंक निर्धारित हैं।

(v) प्रश्न क्रमांक 11 से 15 तक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक उत्तर हेतु शब्द-सीमा 75 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न पर 4 अंक निर्धारित हैं।

https://www.cgboardonline.com
Visit CollegeDekho

(vi) प्रश्न क्रमांक 16 निबंध लेखन का प्रश्न है। इसका उत्तर 250 300 शब्दों में लिखिए। इस प्रश्न पर 8 अंक निर्धारित हैं।

(vii) प्रश्न क्रमांक 17 पत्र-लेखन है। इसमें 5 अंक निर्धारित है।

(viii) प्रश्न क्रमांक 18 अपठित गद्यांश है। इसमें 5 अंक निर्धारित हैं।

(ix) प्रश्न क्रमांक 11 से 18 तक के सभी प्रश्नों में विकल्प दिया गया है।

(खण्ड-अ)

प्रश्न-1 सही विकल्प चुनकर लिखिए— [1×5=5]

(i) 'रानी नागफनी' की कहानी रचना है :

(अ) हरिशंकर परसाई की

(ब) शरद जोशी की

(स) शेख मुहम्मद की

(द) वियोगी हरि की

(ii) लोग किस रंग की मिट्टी से चूल्हे की लिपाई-पुताई करते थे ?

(अ) पीली

(ब) लाल

(स) सफेद

(द) काली

(iii) शहीद वीरनारायण सिंह जमींदार थे :

(अ) कोमाखान

(ब) माहीखान

(स) राजिम

(द) सोनाखान

https://www.cgboardonline.com

Visit CollegeDekho

(iv) शील की कविता लिखी गई है :

(अ) सोरठा छंद में

(ब) दोहा छंद में

(स) गीतिका छंद में

(द) बरवै छंद में

(v) सूखा वृक्ष देखकर लेखक को लगा, जैसे :

(अ) गरीब आदमी खड़ा हो

(ब) कोई प्यासा हो

(स) सुन्दर कला कृति हो

(द) पेड़ का कंकाल हो

(खण्ड-ब)

प्रश्न-1 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए : [1×5=5]

(i) 'तुहिन' शब्द का सही अर्थ ——— है।

(ii) हरिशंकर परसाई ——— विधा के लेखक हैं।

(iii) माँ अपनी पुत्री को अपने ——— पर न रीझने की शिक्षा देती है।

(iv) ठूँठ का पेड़ ——— का प्रतीक है।

(v) आरसी का अर्थ ——— होता है।

(खण्ड-स)

प्रश्न-1 उचित सम्बन्ध जोड़कर लिखिए : [1×5=5]

	(क)		(ख)
(i)	नर्मदा की सखी	-	गंगा
(ii)	घीसा की झोपड़ी	-	बुरे दिन
(iii)	तीजन बाई	-	पसीना
(iv)	अमरित	-	जुहिला
(v)	दुर्दिन	-	पंडवानी

https://www.cgboardonline.com Visit CollegeDekho

प्रश्न-2 राम भक्ति शाखा के दो कवियों के नाम तथा उनकी एक-एक रचना लिखिए। [1+1=2]

प्रश्न-3 कवि चकवा-चकवी द्वारा किन मनोभावों को कविता में बताना चाहते हैं? [2]

प्रश्न-4 निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए : [2]

(i) चेहरा खिल उठना।

(ii) दिमाग चकराने लगना।

प्रश्न-5 मधुलिका ने पुरस्कार के रूप में राजा से क्या मांगा, और क्यों? [1+1=2]

प्रश्न-6 आशु कवित्व से आप क्या समझते हैं? अपने शब्दों में लिखिए। [2]

प्रश्न-7 रीतिकाल की तीन मुख्य विशेषताएँ लिखिए। [1+1+1=3]

प्रश्न-8 माटीवाली के बिना टिहरी शहर के कई घरों में चूल्हों का जलना क्यों मुश्किल हो जाता था? [3]

प्रश्न-9 'तुरतुरिया' नामक स्थान क्यों प्रसिद्ध है? [3]

प्रश्न-10 गॉर्टस्वी को कैसे विश्वास हुआ कि युवक सच बोल रहा है? [3]

प्रश्न-11 कवि ने जीवन की समानता, झरने से किन-किन रूपों में की है? अपने शब्दों में लिखिए। [4]

अथवा

"सरिता के नीरव प्रवाह-सा बढ़ता हो अपना जीवन"—पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।

https://www.cgboardonline.com

Visit CollegeDekho

प्रश्न-12 निम्नलिखित पद्यांश का भावार्थ लिखिए : [4]

पायो जी म्हे तो राम रतन धन पायो॥
वस्तु अमोलक दी मेरे सत्गुरु, किरपा कर अपनायो॥
जनम-जनम की पूंजी पाई, जग में सभी खोवायो॥
खायो न खरच चोर न लेवे, दिन-दिन बढ़त सवायो॥
सत् की नाव खेवटिया सत्गुरु, भवसागर तर आयो॥
'मीरा' के प्रभु गिरधर नागर, हरस-हरस जस गायो॥

अथवा

भाई रे! ऐसा पंथ हमारा
द्वै पख रहित पंथ गह पूरा अबरन एक अधारा
बाद बिबाद काहू सौं नाहीं मैं हूँ जग से न्यारा
समदृष्टि सूँ भाई सहज में आपहिं आप बिचारा
मैं, तैं मेरी यह गति नाहीं निरवैरी निरविकारा
काम कल्पना कदै न कीजै पूरन ब्रह्म पियारा
एहि पथि पहुँचि पार गहि दादू, सों तत् सहज संभारा

प्रश्न-13 'नर्मदा का उद्गम—अमरकंटक' पाठ में वर्णित नैसर्गिक सौंदर्य को अपने शब्दों में लिखिए। [4]

अथवा

कवि ने बसंत ऋतु के दृश्य का चित्रण किया है, उसे अपने शब्दों में लिखिए।

https://www.cgboardonline.com Visit CollegeDekho

प्रश्न-14 भुवन ने सिकुमार को पुलिस की नौकरी करने की सलाह क्यों दी? उसकी नौकरी कैसे छूट गई? स्पष्ट कीजिए। [2+2=4]

अथवा

''गँगुवावत मया भभक जाए''—पंक्ति का क्या तात्पर्य है? लेखक के इस कथन का क्या उद्देश्य है?

प्रश्न-15 किसी लोकतांत्रिक देश में नागरिकों का जागरूक होना क्यों आवश्यक है? इन्हें जागरूक करने के लिए कौन-से प्रयास करने होंगे? [2+2=4]

अथवा

शब्द शक्ति किसे कहते हैं? किसी एक प्रकार को उदाहरण सहित लिखिए। https://www.cgboardonline.com

प्रश्न-16 निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 250 से 300 शब्दों में सारगर्भित निबंध लिखिए : [2+4+2=8]

(i) महंगाई की समस्या।

(ii) मोबाइल फोन : लाभ और हानि।

(iii) प्रदूषण के कारण और निदान।

(iv) साहित्य और समाज।

(v) जीवन में खेलों का महत्व।

https://www.cgboardonline.com
Visit CollegeDekho

प्रश्न-17 सचिव, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, रायपुर को कक्षा दसवीं बोर्ड परीक्षा की अंकसूची की द्वितीय प्रति प्राप्त करने के लिए एक आवेदन लिखिए। [1+3+1=5]

अथवा

परीक्षा अवधि में ध्वनि विस्तारक यंत्रों (लाउडस्पीकर) पर प्रतिबंध लगाने हेतु जिलाधीश को एक आवेदन-पत्र लिखिए।

प्रश्न-18 निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए (कोई **पाँच**) : [1+1+1+1+1=5]

व्यक्ति की दो मूलभूत आदतें होती हैं। एक तो यह कि लोग हमारे गुणों की प्रशंसा करें और हमारा आदर करें तथा दूसरे वे हमसे प्रेम करें। हमारी अनुपस्थिति में हमारा अभाव महसूस करें और ऐसा लगे कि उनके जीवन में हम बहुत महत्व रखते हैं। इस प्रकार की प्रवृत्तियाँ मनुष्य के जीवन में आगे बढ़ने तथा कुछ-न-कुछ करने के लिए निरंतर प्रेरित करती रहती हैं। आपके जरा से भी कार्य की यदि कोई भी सच्चे दिल से प्रशंसा करे तो आपका मन फूला नहीं समाता। कोई भी व्यक्ति कितना भी अपने-आप में आत्मविश्वासी और आत्मसंतुष्ट क्यों न दिखाई दे, अंदर से वह हमारी और आपकी तरह तारीफ व प्रशंसा का प्रोत्साहन का तथा स्नेह की अपेक्षा रखता है। व्यवहार कुशलता का पहला लक्षण यही है कि आप दूसरों की भावना को ठीक से समझें, उसकी कद्र करें। इसी से सामाजिक जीवन में व्यक्ति विशेष की लोकप्रियता का दरवाजा खुलता है एवं मन को संतोष मिलता है।

https://www.cgboardonline.com

Visit CollegeDekho

प्रश्न :

(i) किस प्रकार की प्रवृत्तियाँ मनुष्य को जीवन में आगे बढ़ने के लिए निरंतर प्रेरित करती रहती हैं ?

(ii) कब. किसी का मन प्रसन्न हो उठता है ?

(iii) व्यवहार कुशलता से क्या तात्पर्य है तथा इसके क्या लाभ हैं ?

(iv) प्रत्येक आत्मविश्वासी व्यक्ति किस बात की अपेक्षा रखता है ?

(v) 'फूला न समाना' मुहावरे का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(vi) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

• • •

https://www.cgboardonline.com Visit CollegeDekho